

# Union Minister of Coal, Mines & Parliamentary Affairs to hold chintan shivir to strategise on Way Forward for the Coal Sector

## Domain experts invited for deliberations

Posted On: 13 FEB 2020 6:31PM by PIB Delhi

A two day Chintan Shiviris being organised at the Statue of Unity, Kevadia, Gujarat from 17<sup>th</sup> to 18<sup>th</sup> February 2020 for senior officers of Ministry of Coal and all CMDs of Coal companies to strategise on “Way forward for the Coal sector”. The Shivir will be inaugurated by Union Minister for Coal & Mines Shri Pralhad Joshi, who is also expected to actively guide the discussions on the agenda topics. Domain experts in various fields are being invited for detailed deliberations towards reaching the target of One Billion Tonnes production by 2023-24 as a way of eliminating the import of coal which is a substantial drain on the foreign exchange outgo.

The topics that will be taken up for brainstorming are—

- i. Future of Coal in India
- ii. Strategy for achieving 1 BT production by CIL and country
- iii. One Billion tonne Strategy for evacuation
- iv. Support of local communities/sustainable coal
- v. Investment in Coal Sector & Business Diversification
- vi. Alternate Models of Land Procurement
- vii. SEWA-Community support programme

An outcome document based on the deliberations will guide the Coal sector in the coming months.

\*\*\*\*\*

RJ/NG/RM

(Release ID: 1603121)

# कोयला मंत्रालय

केंद्रीय कोयला, खान और संसदीय कार्य मंत्री कोयला क्षेत्र के लिए भविष्य की रणनीति बनाने के लिए चिंतन शिविर आयोजित करेंगे

क्षेत्र के विशेषज्ञों को विचार-विमर्श के लिए आमंत्रित किया गया

प्रविष्टि तिथि: 13 FEB 2020 6:31PM by PIB Delhi

कोयला मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और कोल कंपनियों के सभी सीएमडी के लिए 17 से 18 फरवरी, 2020 तक गुजरात के केवडिया के स्टेचू ऑफ यूनिटी में दो-दिवसीय चिंतन शिविर आयोजित किये जायेंगे। “कोयला क्षेत्र के लिए भविष्य का मार्ग” विषय पर रणनीति तैयार करना इसका उद्देश्य है। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी शिविर का उद्घाटन करेंगे, जिनसे यह उम्मीद की जा रही है कि इस विषय पर विचार-विमर्श को अच्छी तरह मार्गदर्शन देंगे। कोयले के आयात को खत्म करने के उद्देश्य से, 2023-24 तक एक अरब टन कोयला उत्पादन के लक्ष्य तक पहुंचने को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श में भाग लेने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है, जो विदेशी मुद्रा बहिर्गमन का एक बड़ा स्रोत है।

जिन विषयों पर विचार मंथन किया जाएगा, वे हैं-

1. भारत में कोयले का भविष्य
2. सीआईएल और देश द्वारा एक अरब टन उत्पादन प्राप्त करने की रणनीति
3. एक अरब टन कोयले के उत्खनन के लिए रणनीति
4. स्थानीय समुदाय का सहयोग/ टिकाऊ कोयला
5. कोयला क्षेत्र और व्यापार विविधीकरण में निवेश
6. भूमि खरीद के वैकल्पिक मॉडल
7. सेवा (एसईडब्ल्यूए) - सामुदायिक सहायता कार्यक्रम

विचार-विमर्श के आधार पर तैयार किया गया दस्तावेज आगामी महीनों में कोयला क्षेत्र का मार्गदर्शन करेगा।

\*\*\*

एस.शुक्ला/एएम/एसकेएस/सीएस-5736